पाठ 24

माता को पत्र

पूजनीय माताजी के चरणों में बहुतेरा,
करता है प्रणाम प्यारा यह बेटा तेरा।
आशा है अच्छें होंगे सब लोग वहाँ पर,
बाबूजी हम लोग सभी हैं कुशल यहाँ पर।
नानी के घर गईं अभी माँ तुम परसों से,
पर ऐसा लगता न मिली होओ बरसों से।

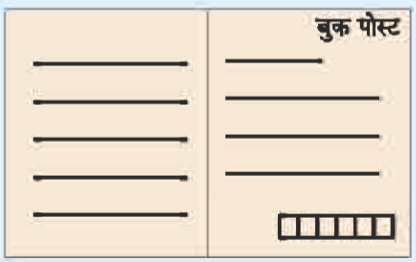

बिना तुम्हारे यहाँ न कोई बात सुहाती,
क्या जाने क्यों तेरी सुधि है मुझको आती।
जब कपड़े उतार भोजन करने जाता हूँ,
और वहाँ पर नहीं तुझे बैठा पाता हूँ।
क्या जाने क्यों नहीं मुझे भोजन भाता है,
खाता तो हूँ पर न स्वाद उसमें आता है।

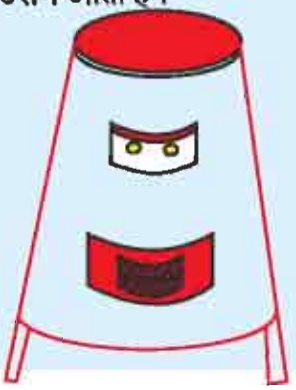

यह न समझना मुझे कष्ट देता है कोई,
या मेरी सुधि नहीं यहाँ लेता है कोई।
पर, माँ मैं तो नहीं भूल पाता हूँ तुझको,
क्या जाने क्यों तेरी सुधि है आती मुझको।

शिक्षण संकेत

- कविता को शुद्ध उच्चारण स्वयं करें तथा बच्चों से करवाएँ।
- कविता का हाव-भाव से वाचन करें।
- कविता के भाव बच्चों ही सहभागिता से स्पष्ट करें।
- अनुस्वार और अनुनासिक शब्दों का अलग-अलग उच्चारण बच्चों से करवाएँ।

माँ तू तो कहती थी मैं परसों आऊँगी,
तेरे लिए न जाने मैं क्या -क्या लाऊँगी।
अच्छा माँ, मैं कहता हूँ तू कुछ मत लाना,
पर पहली गाड़ी से अब वापस आ जाना।

नानी रोके अगर, उसे यह पत्र दिखाना,
या अपने ही साथ उसे भी लेती आना।
तेरा स्वागत करने को मैं खड़ा रहूँगा,
बाट देखता यहीं द्वार पर अड़ा रहूँगा।

एक बार फिर याद दिलाता हूँ, माँ तुझको,
आ जाना तू अगर प्यार करती है मुझको।

▶ केशवप्रसाद पाठक

नए शब्द

पूजनीय – पूज्य, सम्मान के योग्य **चरण** – पैर **सुहाती** –अच्छी लगती **सुधि लेना** – याद करना
भाता – अच्छा लगता **स्वाद** –जायका **बाट देखना**–इन्तजार करना। **अड़ा रहना**–डटे रहना

अनुभव विस्तार

कविता से खोजिए-

(क) सही जोड़ी बनाइए-

माताजी के चरणों में	–	मैं खड़ा रहूँगा
कोई बात मुझे	–	नहीं भाता है
मुझे भोजन	–	नहीं सुहाती
स्वागत करने को	–	प्रणाम

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. यह न समझना मुझे.....देता है कोई।
2. .....तू तो कहती थी मैं परसों आऊँगी।
3. नानी रोके अगर, उसे यह .....दिखाना।
4. बाट देखता यहीं.....पर अड़ा रहूँगा।

अति लघुउत्तरीय प्रश्न-

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए-

1. बेटा माँ के चरणों में क्या करता है ?
2. बच्चे को भोजन कैसा लगता है?
3. माँ बच्चे से क्या कहकर गई थी?
4. बच्चा माँ से कब वापस आने को कहता है?

लघु उत्तरीय प्रश्न-

(स) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन से पाँच वाक्यों में लिखिए-

1. बच्चे को बिना माँ के कैसा लगता है?
2. माँ के चले जाने पर बच्चे का मन क्यों नहीं लगता?
3. बच्चा द्वार पर अड़े रहने की बात क्यों कहता है?
4. यदि उस बच्चे के स्थान पर तुम होते तो क्या करते?

भाषा की बात

प्रश्न निम्नलिखित शब्दों का उच्चारण करें और अन्तर जानें-

अनुस्वार	अनुनासिक
चंदा	चाँद
मंजन	माँजना
पंच	पाँच

हंस	हँस
कंचा	काँच
फंदा	फाँस
कंचन	काँच
जंगल	जाँच
संभव	सँभलना
अंग	अँगुली
अंक	आँख
रंभा	रँभाना

प्रश्न निम्नलिखित पद में से अनुस्वार और अनुनासिक वर्ण वाले शब्दों को छाँटकर अलग-अलग लिखिए-

स्वर्ग में नहीं हैं जब दीन, दीनबन्धु कहाँ?
सांत्वना सी श्रेष्ठ वस्तु का न वहाँ भान है।
पर उपकार की प्रतिष्ठा नहीं प्राप्त वहाँ,
धर्म-कर्म ज्ञान का किसी को कहाँ ध्यान है?
कौन सहता है वहाँ दु:ख दूसरां के लिए,
हँस-हँस कौन वहाँ होता कुर्बान है।
स्वर्ग मत देना प्रभो, देना जन्म भारत में,
भारत की स्वर्ग से सहसत्रगुनी शान है।

प्रश्न अनुस्वार युक्त वर्ण वाले शब्द	**आनुनासिकता वाले 'चन्द्रबिन्दु' युक्त शब्द**
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

प्रश्न **अपनी पाठ्यपुस्तक के किसी भी पाठ से गद्य पाठ की पाँच पंक्तियाँ छाँटिए जिनमें अनुस्वार (ं) और चन्द्रबिन्दु (ँ) का प्रयोग हुआ हो।**

अब करने की बारी

1. अपने घर पर आए हुए पत्रों को अपने माता-पिता की अनुमति लेकर पढ़िए।
2. अपनी शाला में 'अब्राहम लिंकन का पत्र अपने बेटे के शिक्षक के नाम' को गुरुजी से प्राप्त कर पढ़ने का प्रयास कीजिए।
3. डाकघर से पोस्टमास्टर से पत्र लेकर अपने माता-पिता मित्रों एवं रिश्तेदारों को पत्र लिखिए। इस कार्य में अपने बड़ों का सहयोग लेकर उसे डाक में डालिए।
4. आप किसे पत्र लिखना चाहते हैं सोचें और लिखें –

. . . . . .

. . . . . .

. . . . . .

. . . . . .

. . . . . .

. . . . . .

. . . . . .

. . . . . .

. . . . . .

— 0 —

विविध प्रश्नावली -3

प्रश्न 1 'अ' और 'ब' खण्ड में दिए गए शब्दों से सही जोड़ी बनाइए।

(अ)	स्वच्छ	–	मैदान
	हरेभरे	–	प्रकाश
	सूरज	–	रोशनी
	टिमटिमाती	–	हवा
(ब)	चरणों में	–	याद
	बात	–	भाता है
	सुधि	–	प्रणाम
	भोजन	–	सुहाती

प्रश्न 2 कोष्टक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

1. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भारत के .....राष्ट्रपति थे।
2. आजकल पशुओं की मृत्यु की घटनाएँ .....खाने से हो रही हैं।
3. लुहार का नाम .....था।
4. शहरी बाबू अपने .....से मिलने गाँव आए ।
5. पुस्तक से प्रेम करने वाले.....बन जाते हैं।

प्रश्न 3 निम्नलिखित प्रश्नों केउत्तर एक वाक्य में दीजिए-

1. वृक्षों से हमें क्या-क्या मिलता है?
2. शहरी बाबू किसकी तारीफ करने लगे?
3. संसार के संपूर्ण ज्ञान का भंडार कहाँ विद्यमान है?

4. बेटा माँ के चरणों में क्या करता है?
5. अपने व्यवहार पर शर्मिंदा कौन था?
6. तलवार के स्थान पर लुहार क्या बनाने लगा?

प्रश्न – 4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो वाक्यों में दीजिए–

1. वृक्ष हमारे जीवन दाता किस प्रकार हैं?
2. लुहार वेष बदलकर क्या देखने निकला?
3. शरीर को रखने के लिए आवश्यक है?
4. धरती और नभ ने इंसान को क्या दिया?
5. पॉलीथीन का पर्यावरण पर क्या अमर पड़ता है?
6. माँ के चले जाने पर बच्चे का मन क्यों नहीं लगता?

प्रश्न – 5 निम्नांकित वाक्यों में बताइए कि वाक्य किस काल है –

1. राम पुस्तक पढ़ रहा है।
2. कल शनिवार था।
3. मोहन भोपाल जाएगा।
4. मीना खेल रही है।
5. हामिद स्कूल जाएगा।

प्रश्न – 6 निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए –

सूरज, फूल, पानी, आकाश

प्रश्न – 7 अपने मित्र को एक पत्र लिखिए जिसमें उसे प्रथम श्रेणी में पास होने पर बधाई दी गई हो।

प्रश्न – 8 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर कम से कम पाँच वाक्य लिखिए –

1. प्रिय शिक्षक 2. पुस्तक 3. विद्यालय 4. महात्मा गांधी

———— 0 ————

ब्रेल : सामान्य परिचय

देवनागरी , गुरुमुखी इत्यादि लिपियों की तरह ही ब्रेल भी एक लिपि है। ब्रेल लिपि का उपयोग दृष्टिहीन व्यक्तियों द्वारा पढ़ने एवं लिखने के लिये किया जाता है। ब्रेल लिपि का अविष्कार लुई ब्रेल द्वारा सन् 1829 में किया गया था। ब्रेल लिपि उभरे हुए छः बिन्दुओं पर आधारित होती है, इन छः बिन्दुओं से मिलकर एक सेल बनता है, प्रत्येक सेल में एक वर्ण (अक्षर) लिखा जाता है। ब्रेल लिखने के लिये **स्टाइलस** एवं विशेष प्रकार की स्लेट का उपयोग किया जाता है जिसमें छः–छः बिन्दुओं के कई सेल बने होते हैं इसे ब्रेल स्लेट कहा जाता है। ब्रेल स्लेट में मोटे कागज की सीट पर स्टाइलस के द्वारा लिखा जाता है। ब्रेल स्लेट की सहायता से ब्रेल लिपि में लिखते समय सीधे हाथ से उलटे हाथ की ओर लिखा जाता है इससे उभार दूसरी तरफ आते हैं। इन्हीं उभारों को हाथ की उंगलियों की सहायता से छूकर पढ़ा जाता है। ब्रेल के छः बिन्दुओं का क्रम इस प्रकार होता है।

1 ● ● 4
2 ● ● 5
3 ● ● 6

इन छः बिन्दुओं को लेकर 63 अलग–अलग कम्बीनेशन बनाये जा सकते हैं। कुछ कम्बीनेशन निम्न प्रकार हैं–

मात्राऐं और अक्षर

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ
ओ	औ	अं	अः	ऋ	क	ख	ग
घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट
ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध
न	प	फ	ब	भ	म	य	र
ल	व	श	ष	स	ह	क्ष	त्र
ज्ञ	ड़	ढ़					

नोट : उभारे हुए बिन्दुओं को यहां मोटे बिन्दुओं के रूप में दिखाया गया है।

ब्रेल स्लेट

'भारत' ब्रेल में इस प्रकार लिखते है

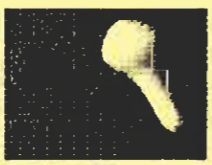

स्टाइलस

समग्र स्वच्छता अभियान संदेश

1. खाना खाने के पहले हाथ धोयें।
2. शौच के बाद साबुन से हाथों को अवश्य धोयें।
3. शौच के लिए शौचालय में ही जायें।
4. घड़े में से पानी डंडी वाले लोटे से ही निकालें, पानी में उंगलियाँ नहीं डुबाना चाहिये।